पुल

यही वह पुल है
जो हमें पार करना है
यही वे सीमायें हैं
जो हम खो चुके हैं
यही वे पैर हैं
जो ठोस ज़मीन पर टिके हैं
और यहीं पर हैं
हमारे विश्वासों के खंडहर

यही वह प्यार है
जो जन्म देता है
यही वे शब्द हैं
जो शून्य से आए
यही वह संगीत है
जो हमने हवाओं में सुना है
और यहीं है वह पेड़
जिसकी जड़ें आसमानों में हैं

यही वह आईना है
जो हमें अपना चेहरा दिखाता है
यही वह कुँआ है
जो हमारी प्यास बुझाता है
यही वह मशाल है
जो हमारी राहों को रोशन करती है
और यही है वह इंद्रधनुष
जिसे यहाँ होना ही था

आओ नाचें
यही पुल है
आओ नाचें
यही हमारा जीवन है
आओ नाचें
आओ नाचें
आओ नाचें